ग्रामीण समाजशास्त्र– I (एमएएसओ–504)

Rural Sociology-I (MASO-504)

खण्ड 1 : Rural Sociology- Introduction and Concept

इकाई –1 ग्रामीण समाजशास्त्र की अवधारणा, उत्पत्ति एवं विकास और क्षेत्र (Concept of Rural Sociology, Origin and Development and Scope)

इकाई –2 ग्रामीण समाजशास्त्र की विषय वस्तु, पद्धति, प्रविधि एवं उपकरण (Subject matter, methods and Tools of Rural Sociology)

इकाई –3 ग्रामीण–नगरीय सातत्य– विभिन्नता एवं सम्बद्धता (Rural-Urban Continuum-differences and Linkages)

खण्ड 2 : Basic Concepts of Rural Sociology

इकाई –4 भारतीय ग्रामीण समुदाय (Indian Rural Sociology)

इकाई –5 लघु समुदाय, कृषक समाज और लोक संस्कृति (Little Community] Peasant Society and Folk Culture)

इकाई –6 लघु एवं वृहत् परम्पराएं (Little and Great Tradition)

इकाई –7 स्थानीयकरण एवं सार्वभौमिकरण (Parochialization and Universalization)

खण्ड 3 : Rural Social Structure and Institutions

इकाई –8 भारत में ग्रामीण सामाजिक संरचना–अवधारणा, ग्रामीण सामाजिक संरचना में परिवर्तन (Rural Social Structure in India-Concept, Changes in rural social structure)

इकाई –9 ग्रामीण सामाजिक संस्थाऐं – परिवार, नातेदारी और विवाह (Rural Social Institutions-Family, Kinship and Marriage)

इकाई –10 ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण : अन्तर्जातीय सम्बन्ध और जजमानी व्यवस्था (Rural Social Stratification-Inter-caste relations and jajmani system)

इकाई –11 प्रभु जाति और ग्रामीण गुट (Dominant caste and Rural Factions)

इकाई –12 ग्रामीण शक्ति संरचना और ग्रामीण नेतृत्व (Rural Power Structure and Leadership)

Suggested Readings:

एम. एन. श्रीनिवास (1966) आधुनिक भारत मे सामाजिक परिवर्तन, बकेले युनिवर्सटी कैलिर्फोनिया

विल्बर्ट ई0 मूर (1981) सामाजिक परिवर्तन, नई दिल्ली,

योगेन्द्र सिंह (1986) भारतीय परम्परा एवं आधुनिकता, जयपुर रावत पब्लिकेशन

डी0 हेरीसन (1989) आधुनिकीकरण एवं विकास का समाजशास्त्र, नई दिल्ली
आहूजा, राम, 'भारतीय समाज' (2004), रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।

देसाई, ए0 आर0, 'भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र' (1997), रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।

Doshi and Jain, Rural Socialogy (2014), Rawat Publication, Jaipur